कार्यालय राजस्व परिषद्, उत्तराखण्ड, देहरादून।

संख्याः– 7168 / 6–207 / स्था0अधि0–2017–18, दिनांकः मार्च 31, 2018

कार्यालय–ज्ञाप

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम, 20 की धारा–04 के अन्तर्गत कार्मिकों की पदस्थापना हेतु वर्गीकरण एवं धारा–05 अन्तर्गत सुगम एवं दुर्गम कार्य स्थलों का चिन्हांकन और उसका प्रकटीकरण किया जाना है।

राजस्व विभाग के अन्तर्गत विभागाध्यक्ष–राजस्व परिषद उत्तराखण्ड देहरादून के स्तर से मण्डल एवं जनपदों में किए जाने वाले वार्षिक स्थानान्तरण हेतु मण्डलीय कार्यालय/जनपदों में स्वीकृत पदों की पदस्थापना हेतु वर्गीकरण तथा सुगम एवं दुर्गम स्थलों का विवरण निम्नवत् है।

क0 सं0	कार्यालय/अधिष्ठान का नाम	पदनाम
01	मण्डलायुक्त कार्यालय	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
02	मण्डलायुक्त कार्यालय	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
03	जिला कार्यालय/कलेक्ट्री अधिष्ठान	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
04	जिला कार्यालय/कलेक्ट्री अधिष्ठान	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
05	जिला कार्यालय/राजस्व प्रशासन	तहसीलदार
06	जिला कार्यालय/भूलेख अधिष्ठान	सहायक भूलेख अधिकारी
07	जिला कार्यालय/राजस्व प्रशासन	नायब तहसीलदार
08	भूमि अध्याप्ति इकाई/अधिष्ठान	नायब तहसीलदार
09	राजस्व परिषद्, देहरादून	नायब तहसीलदार
10	सर्वेक्षण इकाई, उधमसिंहनगर/देहरादून	सर्वे नायब तहसीलदार
11	चकबंदी इकाई, हरिद्वार स्थित रूड़की/उधमसिंहनगर	चकबंदी अधिकारी
12	चकबंदी इकाई, हरिद्वार स्थित रूड़की/उधमसिंहनगर	सहायक चकबंदी अधिकारी
13	चकबंदी इकाई, गढ़वाल मण्डल/कुमायूँ मण्डल	चकबंदी अधिकारी

14	चकबंदी इकाई, गढ़वाल मण्डल /कुमायूँ मण्डल	सहायक चकबंदी अधिकारी

मण्डल/जनपद स्तर के सुगम/दुर्गम कार्यस्थलों का विवरण निम्नवत् है।

क0सं0	सुगम	क0सं0	दुर्गम
01	देहरादून	01	पौड़ी (मण्डल मुख्यालय /जनपद मुख्यालय)
02	हरिद्वार	02	उत्तरकाशी
03	टिहरी	03	चमोली
04	उधमसिंहनगर	04	रूद्रप्रयाग
05	नैनीताल (मण्डल मुख्यालय/ जनपद मुख्यालय)	05	चम्पावत
06	अल्मोड़ा	06	बागेश्वर
		07	पिथौरागढ़

राजस्व विभाग के अन्तर्गत विभाग की आवश्यकता के अनुरूप एवं जनपद देहरादून, हरिद्वार, उधमसिंहनगर, नैनीताल जनपद रेल सुविधा के निकटस्थ होने व जनपद का अधिकांश क्षेत्र मैदानी होने व आवागमन, बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा, पर्यटन के दृष्टिगत **सुगम** जनपद में चिन्हित गया है।

जनपद अल्मोड़ा एवं टिहरी, रेल मार्ग एवं मैदानी जनपद के निकटस्थ अवस्थित होने व भौगोलिक संरचना अन्य पहाड़ी जनपदों से सुगम होने के दृष्टिगत **सुगम** जनपद के रूप में चिन्हित किया गया है।

2. राजस्व विभाग के अन्तर्गत विभाग की आवश्यकता के अनुरूप एवं जनपद पौड़ी मुख्यालय को समुद्रतल से ऊँचाई, पानी, बिजली, रेल, हवाई जहाज की मूलभूत सुविधाओं के दृष्टिगत दुर्गम में चिन्हित किया गया है। जनपद चमोली, पिथौरागढ़ एवं उत्तरकाशी को भी सीमान्त जनपद होने व समुद्रतल से ऊँचाई पर स्थित होने के साथ–साथ दैवी आपदाग्रस्त व अन्य मूलभूत सुविधाओं के दृष्टिगत दुर्गम जनपद में चिन्हित किया गया है।

जनपद रूद्रप्रयाग, वर्ष 2013 में आई दैवी आपदा से ग्रसित होने से सड़क, बिजली, चिकित्सा, रेल तथा हवाई जहाज की सुविधाओं के आधार पर दुर्गम में चिन्हित किया गया है।

जनपद बागेश्वर एवं चम्पावत की भौगोलिक परिस्थितियों, जनपद में बिजली, पानी,रेल, हवाई जहाज आदि की मूलभूत सुविधायें, जनपद की सीमायें दूरस्थ स्थित होने के दृष्टिगत **दुर्गम** में चिन्हित् किया गया है।

ह0
(एस.रामास्वामी)
अध्यक्ष
राजस्व परिषद्

संख्या एवं तद्दिनांक्

प्रतिलिपिः–निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1– सचिव, उत्तराखण्ड शासन, राजस्व विभाग, देहरादून।
2– आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी/कुमायूँ मण्डल नैनीताल।
3– समस्त जिलाधिकारी उत्तराखण्ड।
4– अधिष्ठान पत्रावली।

(सुरेन्द्र नारायण पाण्डे) 5.04.2018
आयुक्त एवं सचिव